पाठ संख्या – 3 मानव व पशु आकृतियाँ

प्रस्तावना

हमारी दुनिया विभिन्न प्रकार के जीवों से भरपूर है। उनमें कुछ दो पैरों पर खड़े होते हैं और कुछ चार पैरों पर। इनमें से कुछ आकाश में उड़ सकते हैं और कुछ पानी में तैर सकते हैं। एक कलाकार को इन जीवों के बारे में जानकारी होनी चाहिए और इनको रेखा और रंगों में चित्रित करना सीखना चाहिए। इन जीवों में मानव, पशु और पक्षी अत्यंत रोचक हैं।

प्रयोग में आने वाली सामग्री

- काट्रेज पेपर या न्यूज प्रिंट पेपर, स्कैच बुक।
- H.B. पैन्सिल (पतली और कठोर रेखा के लिए) 2बी और 4बी पैन्सिल (विभिन्न मोटाई की कोमल रेखाओं के लिए)।
- 6बी पैन्सिल (गाढ़े टोन के लिए)।
- रबड़।

मानव और पशु आकृतियों में याद रखने वाले प्रमुख तत्व

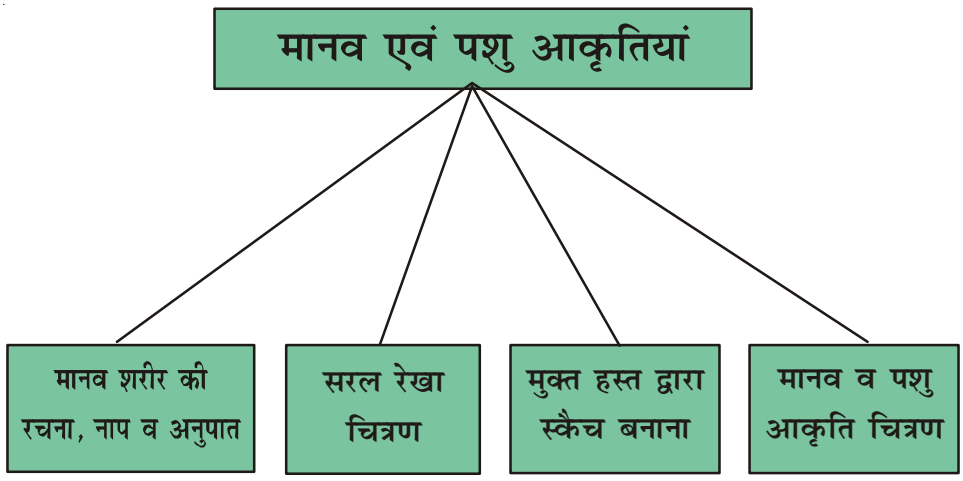

मानव शरीर की रचना, नाप व अनुपात

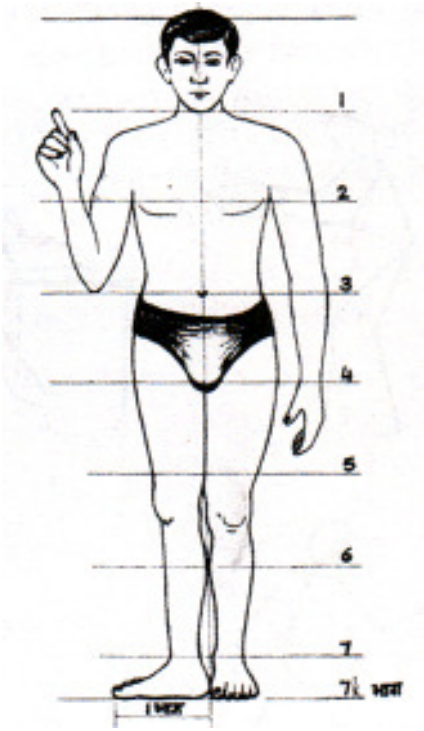

चित्र 1

- सामान्यत: शारीरिक रचना आयु के अनुसार बदलती रहती है।
- एक पुरुष का नाप, अनुपात और शारीरिक गठन साढ़े सात यूनिट में विभाजित कर सकते हैं। सिर से ठोड़ी तक एक यूनिट, ठोड़ी से लेकर छाती तक दो यूनिट, छाती से लेकर नाभि तक तीसरी यूनिट, नाभि से कुल्हे तक चौथी यूनिट, कुल्हे से घुटने तक पांचवी यूनिट, घुटने से पिण्डली तक छठी यूनिट, पिण्डली से एड़ी तक सातवीं यूनिट एवं पैर आधा यूनिट।

सरल रेखा चित्रण

चित्र 2

- शरीर की रचना और क्रियाशीलता को समझने के लिए सरल रेखा चित्रांकन बहुत महत्वपूर्ण है।
- यह आकृति के अनुपात को समझने में भी सहायक है जिसके द्वारा आयतन से चित्रांकन संभव है।

मुक्त हस्त स्कैच बनाना

चित्र 3

- सजीव मॉडल का स्कैच बनाना अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मॉडल की विशिष्टता और क्रियाशीलता को अनुभूत करने में सहायक होता है (मानव व पशु आकृति)।
- सरल रेखा चित्रण बिना किसी पूर्व निर्धारित विधि से रचनात्मक चित्रांकन में सरल रेखा चित्रण का ज्ञान सहायक होता है।

मानव व पशु आकृतियों में भेद

चित्र 4

- मानव व पशु आकृतियों में मूल भेद है कि मानव आकृतियां उर्ध्वाधर (वर्टिकल) तथा पशु आकृतियां क्षैतिज (होरीजोन्टल) होती हैं।
- चित्रकार को पशु आकृति का रेखांकन करने में बहुत तेजी दिखानी चाहिए क्योंकि यह जीव मानव की तरह एक स्थिति में बहुत देर तक नहीं रह सकता।
- मानव आकृति में अनुपात और नाप के निर्दिष्ट नियमों का पालन किया जाता है।
- पशुओं, पक्षियों व अन्य जीवों में अनुपात व नाप के लिए भिन्न निर्दिष्ट नियमों का पालन किया जाता है क्योंकि इनकी शारीरिक रचना भिन्न होती है।
- निरंतर अभ्यास कौशल में वृद्धि करता है।

आइये, अब पशु चित्रण के विभिन्न चरणों को सीखें

चित्र 1

घोड़े का रेखांकन

चरण 1

- घोड़े के पिछले एवं अगले हिस्से को दर्शाने के लिए अनुपातिक दूरियों में दो गोले रेखांकित कीजिए।
- दोनों गोलों को रेखा के द्वारा जोड़कर घोड़े की पीठ बनाइए।
- पैरों के लिए चार रेखाएं खीचें।
- सिर के लिए त्रिभुज एवं पूंछ के लिए लयबद्ध रेखा खींचिए।

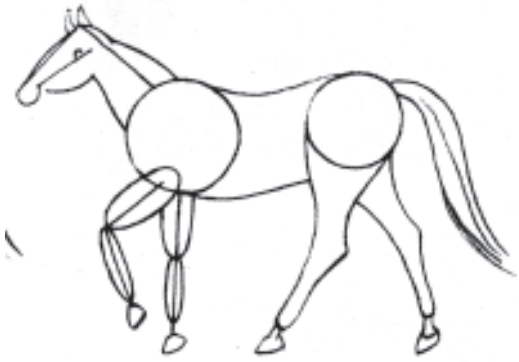

चित्र 2

चरण-2

- ढांचे को चारों तरफ से रेखांकित कर आयतन दीजिए।

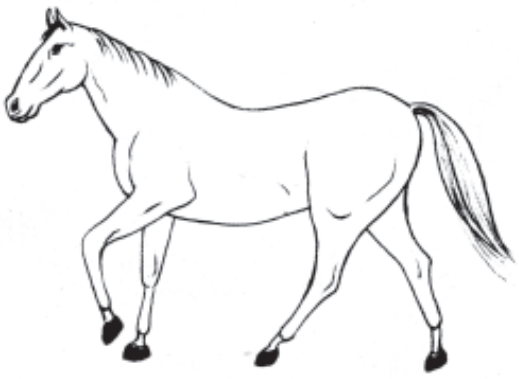

चित्र 3

चरण-3

- घोड़े के शारीरिक अंगों को रेखांकित कर पूर्णरूप में लाएं।
- बाहरी रेखा को छोड़कर अनावश्यक रेखाओं को मिटा दें।
- आकृति में कुछ और रेखाएं जोड़कर बारीकियां लाएं।

विभिन्न चरणों में सरल रेखा से मानव आकृति का चित्रण

चित्र 1

चरण 1

- दो मानव आकृतियों द्वारा डांडिया नृत्य करने के संयोजन का चयन कीजिए।
- सरल रेखा द्वारा दो नृत्य करती हुई आकृतियों को रेखांकित कीजिए।

चित्र 2

चरण 2

- ढांचे से धड़ को रेखांकित करके आकृति में आयतन लाएं।

चित्र 3

चरण 3

- लड़का और लड़की की शारीरिक संरचना की विशेषताओं को ध्यान में रखकर रेखाओं से मानव आकृति की पूर्ण रचना करें।

क्या आप जानते हैं?

- एक वयस्क पुरुष का शारीरिक अनुपात साढ़े सात यूनिट है।
- पशु आकृति के विपरीत मानव मुखाकृति के द्वारा अनेक भाव प्रदर्शित किए जा सकते हैं।

स्व-मूल्यांकन

- विभिन्न चरणों के द्वारा मुर्गी का रेखा चित्रण कीजिए।
- पेस्टल रंग से रेखाचित्र को भरें।

मूल्यांकन के उत्तर

I. सरल रेखा चित्र बनाएं।

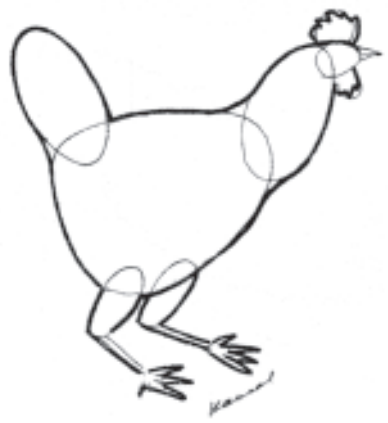

II. बाहरी रूपरेखा को जोड़कर स्वरूप दें।

III. लाल क्रोम पीला, ब्राऊन, सफेद एवं काले रंग के पेस्टल रंगों का प्रयोग रंग भरने के लिए प्रयोग करें।